

विशेष रिपोर्ट

मसाले

मई 2022



हल्दी

महत्वपूर्ण कारक

- घरेलू मसाला उद्योगों और स्टॉकिस्टों की ओर से मांग
- देश में हल्दी की बुआई की स्थिति
- मध्य-पूर्व और बांग्लादेश से निर्यात मांग
- किसानों और व्यापारियों के पास स्टॉक की स्थिति
- हाजिर बाजार जैसे निजामाबाद, सांगली आदि में आवक

हल्दी वायदा का साप्ताहिक चार्ट



फंडामेंटल:

- अप्रैल 2022 में, हल्दी की कीमतों में लगातार तीसरे महीने गिरावट हुई है और 3% से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुई है।
- वर्तमान में, हम घरेलू बाजार में कम खरीददारी देख रहे हैं, जिससे कीमतों में गिरावट हो रही है। इसके अलावा, किसान आने वाले महीनों में निर्यात में सुधार के कारण जून से कीमतों में वृद्धि की उम्मीद में अपनी फसलों को रोके हुए हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में भारतीय हल्दी का निर्यात दुनिया के 140 से अधिक देशों में हुआ है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश ने हल्दी का निर्यात खाड़ी, यूरोप संघ, अमेरिका और बांग्लादेश को 14,000 करोड़ रुपये का किया है।
- सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021/22 के पहले 11 महीनों (अप्रैल-फरवरी) में, निर्यात पिछले साल की तुलना में 20% घटकर 1.37 लाख टन रह गया है लेकिन 5 साल के औसत की तुलना में 8% अधिक है। फरवरी 2022 में हल्दी का निर्यात फरवरी 2021 के 12575 टन की तुलना में 17% घटकर 10,400 टन रह गया है।
- महाराष्ट्र और तमिलनाडु के सिंचित क्षेत्रों में हल्दी की फसल की बुवाई शुरू हो गई है लेकिन नई फसल की आवक में करीब 9-10 महीने की देरी है। आने वाले मौसम में हल्दी का रकबा स्थिर रह सकता है, लेकिन कुछ किसानों के सोयाबीन या कपास की ओर रुख करने की संभावना है, जिससे उत्पादकों को आकर्षक रिटर्न मिला है।

आउटलुक

मई और जून के महीने में मौसमी मांग कम होने की उम्मीद में हल्दी वायदा की कीमतें नरमी के रुझान के साथ साइडवेज रह सकती है जबकि कीमतें मुख्य रूप से देश से निर्यात मांग पर निर्भर करती हैं। मौसम की शुरुआत के दौरान हल्दी की अधिक कीमतों के कारण हल्दी की 80% से अधिक उत्पादन भौतिक बाजार में आ चुका है। मौसमी चार्ट के अनुसार, हल्दी की कीमतें जून के महीने में एक दायरे में रहने की उम्मीद है, जबकि कीमतें जुलाई और अगस्त में अधिक होने की उम्मीद है। एनसीडीईएक्स हल्दी (जून) की कीमतों के 8000 के स्तर पर सपोर्ट 9700 के स्तर पर रेजिस्टेंस के साथ कारोबार करने की संभावना है।

हल्दी का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
जून	7,600	8,160	9,130	9,670	10,640

हल्दी वायदा कीमतों में मासिक बदलाव चार्ट (%)



हल्दी वायदा का मौसमी चार्ट

	Jan	Feb	Mar	Apr	May	Jun	Jul	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
2022	4.37%	-6.68%	-6.34%	-8.10%								
2021	10.63%	26.87%	2.26%	-8.08%	-0.08%	-6.22%	0.79%	8.85%	-8.78%	-0.60%	3.27%	27.30%
2020	-9.23%	0.74%	-3.23%	-3.55%	-5.86%	5.10%	0.07%	6.61%	-6.05%	0.90%	-5.01%	7.01%
2019	-5.07%	-1.94%	-3.03%	5.62%	6.23%	-6.98%	6.18%	0.42%	-6.14%	-0.23%	-7.01%	15.12%
2018	-7.75%	-6.07%	0.55%	8.01%	-0.67%	3.75%	-1.22%	-6.30%	-1.17%	0.95%	-4.35%	3.66%
AVG	-1.41%	1.94%	-1.94%	-0.18%	0.41%	-0.59%	1.46%	2.44%	-6.28%	0.26%	-3.28%	13.42%

जीरा

महत्वपूर्ण कारक

- चालू वर्ष के लिए उत्पादन अनुमान
- भौतिक बाजारों में आवक की मात्रा
- किसानों और व्यापारियों के पास स्टॉक
- भारतीय जीरे की घरेलू और निर्यात मांग
- अन्य जीरा उत्पादक देशों में उत्पादन की संभावनाएं

जीरा वायदा का साप्ताहिक चार्ट



फंडामेंटल:

- एनसीडीईएक्स पर जीरा वायदा की कीमतें अप्रैल के दौरान ज्यादातर तेजी के रूझान के साथ साइडवेज रही और लगभग 2% की तेजी के साथ 21885 के स्तर पर बंद हुईं। अप्रैल महीने में जीरा की कीमतों में लगातार चौथे महीने बढ़ोतरी हुई है, क्योंकि मसाला उद्योगों की ओर से लगातार भौतिक मांग हुई है जबकि इस सीजन में आवक सीमित रही है।
- पिछले वर्ष की तुलना में अधिक कीमतों के बावजूद मंडियों में जीरे की आवक नहीं बढ़ी है। अप्रैल के दौरान उड्डा में पुरानी और नई फसल की आवक प्रतिदिन लगभग 15000- 20000 बैग (1 बैग = 55 किग्रा) थी, जबकि पिछले वर्षों में यह 30000 से अधिक बैग थी।
- इस साल जीरा की कीमतों में साल-दर-साल 50% से अधिक की वृद्धि हुई है, लेकिन देश में मसाले के कम उत्पादन के कारण आवक कम है क्योंकि किसान अधिक आकर्षक फसलों की खेती की ओर स्थानांतरित हो गए हैं।
- व्यापारियों को 2021/22 में 5.0-6.0 मिलियन बैग (1 बैग=55 किग्रा) पर जीरा उत्पादन की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष के 8.0-8.5 मिलियन बैग से कम है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2022 में जीरा का निर्यात पिछले वर्ष की समान अवधि के 18300 टन की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष 23.6% कम होकर 14000 टन हुआ है, जबकि वित्त वर्ष 2021/22 (अप्रैल-फरवरी) की अवधि में निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 23% घटकर 2.02 लाख टन रह गया है जबकि पिछले साल 2.62 लाख टन हुआ था। भारतीय जीरा के लिए प्रमुख निर्यात गंतव्य चीन, बांग्लादेश और अमेरिका हैं, जहां लगभग एक-तिहाई जीरा निर्यात होता है। 2021/22 के दौरान दुनिया के 151 देशों में जीरा का निर्यात किया जाता है।

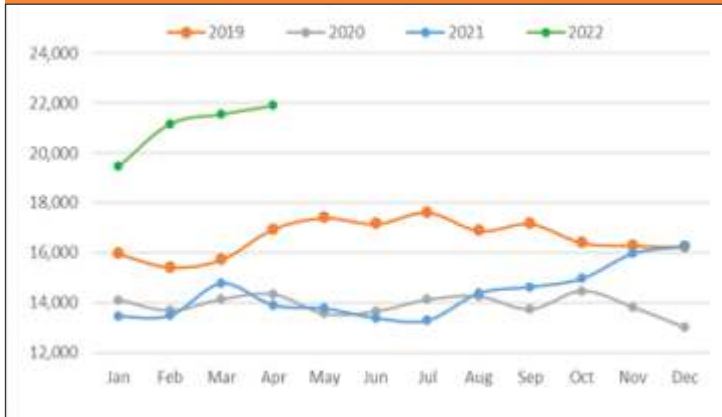
आउटलुक

उच्च स्तर से मुनाफावसूली जारी रहने से जीरा वायदा कीमतों के नरमी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार करने की संभावना है। अप्रैल के महीने में जीरा की कीमतों पर दबाव रहा है, लेकिन यह बहुत तेजी से उभर रहा है। कीमतें 23500 के उच्च स्तर से फिसलकर वर्तमान में 21800 के स्तर पर कारोबार कर रही हैं। मौसमी चार्ट के अनुसार, जीरा की कीमतों में अप्रैल-मई के महीने में कुछ गिरावट की उम्मीद है। अधिकांश किसानों ने इस मौसम में अधिक कीमतों के कारण अपनी फसलें बेच दी हैं, जबकि कीमतें अभी भी निर्यात मांग के आधार पर कारोबार कर रही हैं। जीरा (जून) वायदा की कीमतों को 21720 स्तरों पर अहम सपोर्ट है और इसके नीचे बने रहने से कीमतें 20600 के स्तर तक पहुंच जाएंगी।

जीरा का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
जून	20,600	21,450	22,450	23,300	24,300

जीरा वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव चार्ट (%)



जीरा वायदा का मौसमी चार्ट



महत्वपूर्ण कारक

- किसानों और स्टॉकिस्टों के पास कम स्टॉक
- मसाला उद्योगों और स्टॉकिस्टों की ओर से मांग
- घरेलू मांग और निर्यात मांग
- गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हाजिर बाजार में आवक



फंडामेंटल:

- धनिया वायदा की कीमतों ने अप्रैल में लगातार सातवें महीने तेजी के रूझान के साथ कारोबार किया है और लगातार अच्छी मांग के कारण लगभग 8% बढ़कर बंद हुई।। वर्तमान में कीमतें वर्ष-दर-वर्ष 80% अधिक हैं और जनवरी से 40% अधिक हैं क्योंकि क्योंकि किसान पिछले साल कम आमदनी के कारण अन्य फसलों में स्थानांतरित हो गए हैं और कम उत्पादन की उम्मीद कर रहे हैं।
- भारत के साथ-साथ रूस, यूक्रेन एवं बुल्गारिया जैसे अन्य प्रतिस्पर्धी देशों में कम उत्पादन की चिंताओं के कारण धनिया वायदा की कीमतें 7 साल बाद पहली बार अप्रैल में 13000 रुपये के स्तर को पार कर गईं। इसके अलावा, प्रमुख उत्पादक देशों में युद्ध के कारण 2022 के दौरान अन्य प्रमुख धनिया उत्पादक देशों में कीमतें अधिक होने और सीमित निर्यात होने से भारतीय धनिया की निर्यात मांग बढ़ सकती है। लेकिन 2022 के पहले दो महीनों में निर्यात में तेजी नहीं आई है।
- वाणिज्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2022 में धनिया का निर्यात 5.5% बढ़कर 3320 टन हो गया है, जबकि वित्त वर्ष 2021/22 (अप्रैल-फरवरी) में निर्यात पिछले साल के 51500 टन से 13.7% घटकर 44450 टन हुआ है, लेकिन 5 साल के औसत की तुलना में 11% अधिक है।
- धनिया को मुख्य रूप से बांग्लादेश, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किया जाता है, जिसमें इन दिशों की कुल हिस्सेदारी 70% है, जबकि पाउडर के रूप में धनिया ज्यादातर दक्षिण अफ्रीका, यूके और यूएसए को आपूर्ति की जाती है।

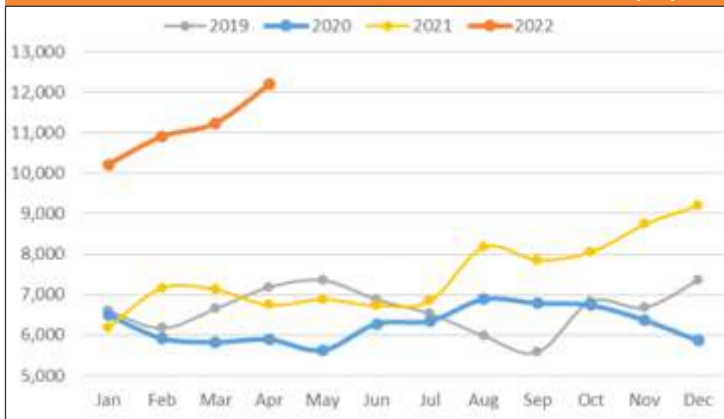
आउटलुक

धनिया वायदा के साइडवेज कारोबार करने की उम्मीद है क्योंकि 13300 के स्तर पर पहुंचने के बाद उच्च स्तर पर मुनाफावसूली के कारण हम पिछले दो हफ्तों से कीमतों पर कुछ दबाव देख रहे हैं, जबकि बाजारों में मांग सामान्य है क्योंकि कीमतें वार्षिक आधार पर अधिक हैं। अगर देश से निर्यात में बढ़ोतरी नहीं होती है तो हमें आने वाले हफ्तों में कीमतों में कुछ गिरावट की उम्मीद है। इसके अलावा, मौसम के अनुसार, मई-जून के दौरान कीमतों में कमी घरेलू मांग में कमी के साथ ही देश से निर्यात में कमी के कारण होती है। धनिया वायदा (जून) की कीमतें 11500/11350 के स्तर तक कारोबार कर सकती हैं, क्योंकि इसे 12500 के स्तर के पास रेजिस्टेंस रह सकता है।

धनिया का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
जून	10,360	11,350	12,350	13,330	14,320

धनिया वायदा कीमतों में मासिक बदलाव चार्ट (%)



धनिया वायदा का मौसमी चार्ट



वंदना भारती	एवीपी कमोडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 625	vandanabharti@smcindiaonline.com
रितेश कुमार साहु	सीनियर रिसर्च एनालिस्ट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 674	riteshkumarsahu@smcindiaonline.com
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 646	shivanand@smcindiaonline.com

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएं और संबंधित सेवाएं करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एम्प्लॉयर्स ऑफ इंडिया लिमिटेड का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमिटेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेन्ट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड हैं। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनालिस्ट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनालिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिन्डिकेटिड मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनालिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनालिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय हैं।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राधिकारों की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सन्तुलन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ) समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में चिह्न किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोषण हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।